पाठ 4
त्योहार और भोजन

1. नीचे कुछ त्योहारों के चित्र बने हैं। प्रत्येक के नीचे उनका नाम लिखिए।

_____

_____

_____

_____

2. इन त्योहारों के अलावा भी बहुत सारे क्षेत्रीय पर्व और त्योहार होते हैं, जिनको लोग मिल–जुलकर मनाते हैं। आपके यहाँ और कौन–कौन से त्योहार मनाए जाते हैं?

_____ _____ _____

_____ _____ _____

तरह–तरह के पकवान

प्रत्येक पर्व त्योहार के मौके पर खास तरह के पकवान बनाए जाते हैं। सब मिलकर साथ में खाना खाते हैं। नए–नए कपड़े व तरह–तरह के पकवानों का पूरा मज़ा तो आप लोग उठाते हैं।

3. आपको कौन सा त्योहार सबसे अच्छा लगता है? इस दिन घर में कौन–कौन से पकवान बनाए जाते हैं?

_____

_____

4. नीचे सारणी में कुछ पकवानों के नाम दिए गए हैं। आपको बताना है कि ये पकवान किस त्योहार पर बनाए व खाए जाते हैं?

क्र.सं.	पकवान	त्योहार
1.	पुआ	
2.	सत्तू	
3.	लड्डू, धान का लावा	
4.	दही, चूड़ा, तिलकूट	
5.	रोट–मलीदा	
6.	केक	
7.	खिचड़ी	
8.	हलवा	
9.	मडुआ की रोटी	
10.	झिंगनी की तरकारी	

भोज–भात

5. शादी–विवाह में भी तरह–तरह के पकवान बनते हैं। आप भी किसी शादी–विवाह में गए होंगे। वहाँ आपने क्या–क्या खाया?

_____ _____ _____

_____ _____ _____

6. घर में, घर के सदस्य मिलकर खाना बनाते हैं। शादी–विवाह या भोज–भात में भोजन कौन–कौन बनाता है?

_____

_____

7. इतने लोगों को भोजन एक साथ कैसे खिलाया जाता है?

_____

_____

_____

8. जूठे बर्तनों की साफ–सफाई कौन करता है?

———————————————————————————————————————

———————————————————————————————————————

विद्यालय में भोजन

9. क्या आपके विद्यालय में भी एक साथ भोजन कराया जाता है? अगर हाँ, तो बताइए–

(i) आप विद्यालय में किस समय भोजन करते हैं? ————————————————

———————————————————————————————————————

(ii) आपके विद्यालय में भोजन कौन बनाता है ? ————————————————

———————————————————————————————————————

(iii) आपके विद्यालय में भोजन कैसे परोसा जाता है ? ————————————————

———————————————————————————————————————

———————————————————————————————————————

(iv) आपके विद्यालय में किस दिन कौन–कौन सा भोजन परोसा जाता है?

क्र.सं.	दिन	खाने की चीज
1.	सोमवार	
2.	मंगलवार	
3.	बुधवार	
4.	बृहस्पतिवार	
5.	शुक्रवार	
6.	शनिवार	

आपके विद्यालय में दोपहर का भोजन मिलता होगा। कुछ ऐसे भी आवासीय विद्यालय हैं, जहाँ बच्चे रहकर पढ़ते हैं। उनके सुबह–शाम, दोपहर, रात के भोजन की व्यवस्था वहीं रहती है।

10. (i) क्या आपके आस–पास कोई आवासीय विद्यालय है? ————————————————

(ii) आपस में चर्चा करके लिखिए कि आवासीय विद्यालयों में भोजन की व्यवस्था किस प्रकार की जाती है?

_____

_____

_____

पटना साहिब हर मंदिर का चित्र

लंगर खाते भक्त

सिक्खों के पूजन स्थल को गुरुद्वारा कहा जाता है। पटना साहिब में जहाँ सिक्खों के दसवें गुरु ''गुरु गोविन्द सिंह'' का जन्म हुआ था, वहाँ एक बहुत बड़ा गुरुद्वारा है, जो तख्त हरमंदिर साहिब कहलाता है। यहाँ सभी श्रद्धालु भक्तों के लिए भोजन की व्यवस्था होती है, जिसे लंगर कहा जाता है। लंगर में सभी लोग एक–साथ बैठकर भोजन करते हैं। भोजन सामग्री लाने, धोने, काटने, पकाने एवं परोसने का काम सभी मिलकर करते हैं। बर्तनों की सफाई का कार्य भी लोग स्वयं ही करते हैं। लंगर की पूरी व्यवस्था लोगों के सहयोग पर आधारित होती है।

3. (i) जीभ को दाँत से सटाकर 'रसगुल्ला' शब्द बोलिए। क्या आप रसगुल्ला शब्द सही से बोल पाए?

———————————————————————————————————

(ii) स्वाद की पहचान के अलावा जीभ हमारे और किस–किस काम में मदद करती है?

———————————————————————————————————

4. हम लोग भोजन चूसकर, चबाकर तथा निगलकर करते हैं, लेकिन पशु–पक्षी अपना भोजन किसी एक खास तरीके से ही करते हैं। नीचे कुछ जीवों के नाम दिए गए हैं। आप इन्हें सारणी के अनुसार छाँटिए।

हिरण, तितली, मेढ़क, बकरी, कुत्ता, मक्खी, शेर, घोड़ा, गधा, मच्छर, भैंस, मोर, खरगोश, मछली, साँप, खटमल, छिपकिली, मुर्गा

क्र.सं.	चबाकर भोजन करनेवाले	चूसकर भोजन करनेवाले	निगलकर भोजन करनेवाले
1.			
2.			
3.			
4.			
5.			
6.			
7.			